

---

Arati Bhagavana Shri Shankara

——  
आरती भगवान श्रीशंकर

——  
Document Information



---

Text title : Arati Bhagavana Shrishankara

File name : AratIbhagavAnashrIshankara.itx

Category : shiva, Arati, hindi

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ganesh Kandu kanduganesh at gmail.com

Description/comments : From Shivastotraratnakara, Gita press

Latest update : October 1, 2018

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.


---

August 30, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



——  
आरती भगवान श्रीशंकर



जयति जयति जग-निवास, शंकर सुखकारी ॥  
अजर अमर अज अरूप, सत चित आनंदरूप,  
व्यापक ब्रह्मस्वरूप, भव! भव-भय-हारी ॥ जयति० ॥  
शोभित विधुबाल भाल, सुरसरिमय जटाजाल,  
तीन नयन अति विशाल, मदन-दहन-कारी ॥ जयति० ॥  
भक्तहेतु धरत शूल, करत कठिन शूल फूल,  
हियकी सब हरत हूल, अचल शान्तिकारी ॥ जयति० ॥  
अमल अरुण चरण कमल, सफल करत काम सकल,  
भक्ति-मुक्ति देत विमल, माया-भ्रम-टारी ॥ जयति० ॥  
कार्तिकेययुत गणेश, हिमतनया सह महेश,  
राजत कैलास-देश, अकल कलाधारी ॥ जयति० ॥  
भूषण तन भूति व्याल, मुण्डमाल कर कपाल,  
सिंह-चर्म हस्ति खाल, डमरू कर धारी ॥ जयति० ॥  
अशरण जन नित्य शरण, आशुतोष आर्तिहरण,  
सब विधि कल्याण-करण, जय जय त्रिपुरारी ॥ जयति० ॥

Proofread by Ganesh Kandu kanduganesh at gmail.com

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

